

SEVEN PAGES

717

॥ श्री गुरु ॥

॥ श्री गुरु पदः ॥

॥ श्री गुरु पदः ॥

[illegible][illegible]

НѢДѢЛѢ ВЪ СРЕДНІИ СЛѢДѢ ВЪ 1056

Երևի ԿԻՎԻԷԻ Ի ԴԵԼԻՆԵ

ॐ सिद्धिगुत्र गलुग यनमः॥ श्रीद वसिद्धिनमः॥ श्रीवज्रयामि
नीनमः॥ महा रे ववनमः॥ श्रीगलुगुनमः॥ ॐ कामूनिमाना
नमः॥ वज्रमेहाकावनमः॥ श्रुष्ट रे ववनमः॥ श्रुष्टयामि
नीनमः॥ श्रीगुत्रे स्थानमः॥ गुत्रश्रुष्टा ॥ सर्वदवस्था नमः॥
ॐ गुत्रश्रुष्टा ॥ श्रीमनसाकवा.समिद्र जीवपाजनाखयस्था
हा ॥ समस्तयात्रिकाय.संखजयय त्वनक ॥ ~~धन~~ २१ ॥

॥ १ ॥ ॐ गुत्रश्रुष्टा ॥ ॐ वीर्द्धां जीर्द्धां स्वाहा ॥ ~~धन~~ २१ ॥
~~विषजाव~~ संसानयानलिनायच्छादं. ज्योत्स्नावर्श्व. काव
यावर्श्व. उयूस्यं कथं ॥ ~~अवर्श्व~~ ॥ २ ॥ ॐ क
लक १ वावादीर्द्धां स्वाहा ॥ ~~या~~ ० ~~स्वाकया~~. वकनन
सूय ॥ ३ ॥ ॐ गुत्रश्रुष्टा ॥ ॐ मावीलीमानाकनामि
हामकुर्द्धां स्वाहा ॥ ~~या~~ ० ~~स्वाकया~~. संखजयय त्वनक ॥

नक ॥ उरुमख ॥ ७ ॥ उं सुदि सुदि मदावानां ॥ ह्यासवव
तुत्रुत्राह्ना ॥ ~~काखयाखवित्रिकाया~~ ॥ ह्यसय यक ह्यय
ह्यसदकाया ॥ अयननरुयीव ॥ नमस्तननायेयाशुव ॥ १॥
उं सिद्धि तुत्रुत्राह्ना ॥ अत्रुत्रुलखादाउं ॥ ~~मिखासाध~~ ॥ लखजयन
य ॥ ~~मिखासिध~~ ॥ १ ॥ ॥ श्रीगुत्राह्ना ॥ गुत्रुत्राद ॥ ॥ उं गुग
विहासं किम ॥ क्षव ११ ॥ ~~समसदवव~~ ॥ लयायमनुध

॥ १ ॥ उं श्रीगुत्रुत्राह्ना ॥ उं निलकषसमूकषवृषद्वनषद्रं
रुठ्ठादा ॥ ~~धर्मदिन~~ ॥ दाकयावमद्वनषद्रं ॥ ६ ॥ उं वृ
षममवयगनावासादा ॥ हं कल्यववसमि ॥ वृषकावजदलद्विः
रुसकवि १ वृषत्रुवनात्र ॥ कनूकानू ॥ वृषद्वनदि ॥ वृष
स्यन्दि ॥ वृषसिंधि ॥ वृषद्रुदिय ॥ वृषत्रुवनात्र ॥ गुत्रुगकि
मविरुकि ॥ रुलामनु ॥ श्रीश्वनावावा ॥ ॥ त ॥ ~~मानसाकाया~~

वैकनं सुवर्क, वा० स्याक या वैकनं सुवर्क, विन द्याक याः
धूवनन नव, स्नान पूर्य, आदु विन द्याक या, विऊन द्याक याः
रतिन द्याक या, ~~कू न द्याक या~~, दान द्याक या, ॐ मूनिन
द्याक या, नविंद्याक या, सुउ यान द्याक या, कक यानन
द्याक या, सुय यान द्या, दयि लं द्याक, दय दक स्य द्याक
या, स्नान पूर्य, धूवनन द्या, धनन, ~~दक न द्याक दय~~

हन श्रवा ॥ १० ॥ सिद्धि उत्र श्राद्धा ॥ जीर्ण श्राद्ध दन, श्रमक
श्रम मान स्यादा ॥ धात्र १००००० ~~धमनु श्राद्ध द्या विद्या ॥ धूमः~~
वादाव श्रादानं गमक ॥ ~~जीयमन श्राद्धा य ॥ ११ ॥ उंणी उत्रः~~
श्राद्धा ॥ उंणादी श्राद्धि न सिद्धि उत्र श्राद्धा ॥ ~~नमाका श्राद्धा यथा १२ ॥~~
उंणी उत्र श्राद्धा ॥ उंनमा व पुत्री श्रमूकी ॥ ~~नाना यव स्य ॥ १३ ॥~~
उंणी उत्र श्राद्धा ॥ उंनमा का म दवा य भासि स्यादा ॥ ~~दियाव स्य ॥ १४ ॥~~

ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ मूलकृष्णकृष्ण. नमः ॐ स्वाहा ॥ ~~मासि~~ ~~मा~~
~~वस~~ ॥ १८ ॥ ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ कामवायुर्दृष्ट स्वाहा ॥ ~~मा~~
न २१ ॥ ~~कामवायुसमन्त~~ ॥ १९ ॥ ॐ नमो सिद्धिगुरुभ्यो नमः ॥ श्री
गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः
गुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ सिद्धिगुरुभ्यो नमः ॥ किं
किं श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ ॥ ~~थयायथा~~ नमः ॥ २० ॥

क्रिया. शुभाविग्रहः ॥ नूयाच्य. श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥
य. नमः ॥ २१ ॥ ~~थमन्तुन~~ नमः ॥ ~~वज्रिक~~ ~~उक्त~~ ॥ २१ ॥
सिद्धिगुरुभ्यो नमः ॥ विविक्तवायु. रुमि नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥
य. उद्योगनमः ॥ मधुनमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥
याविस्मनलयाकृष्णाय ॥ ~~विद्यावसि~~ कृष्णाय ॥ नमः ॥ नमः ॥
वडाकृष्णाय नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ २१ ॥ २१ ॥

श्रीगुरुदत्तसिद्धि ॥ ॐ जगुमगुकवरुदवइमिमहामावीडीं स्वाहा ॥
॥ १०८ ~~ज्ञानेनेयावगिकर्क~~ ॥ यमिमादयर्क ॥ यमिमासुरदया
य ॥ ~~१०९~~ ॥ ॐ श्रीगुरुग्राह्य ॥ जीवसागिमहादवीडीं स्वाहा ॥ वा
गीसचकनर, डाहाव, दवयूजायाडाडा, भाहानिरुयादक
थभाहानिनकिर्क, नर्क, मनुष्यात्र १०८ ~~श्रीगुरुनीयावस्व~~ ॥ अगि
नउर्कम, ~~अगिनमहापीमिहयर्क~~ ॥ २० ॥ श्रीगुरुग्राह्य ॥ ॐ

यंदिदिपिदिस्वाहाद्रुंठस्वाहा ॥ ~~थमकुपसिद्धिय~~, वकाकद
डायाचि, गठिबूगठिमोव, ज्ञासिडाडायीजिक, सिद्धकाकाया
डाबूथाथाडाडा, बूगठिचिडाडा, वाथसर्ववर्क, गुरुसर्क
स्वायर्क, थननअगिउर्कमसानीरुव ॥ ~~१०९~~ ॥ ११ ॥
सिद्धिगुरुग्राह्य ॥ ॐ यंठस्वाहा ॥ ~~मनदूकयागवाय~~ उर्कम
धनर ११ ॥ १२ ॥ श्रीगुरुग्राह्यसिद्धि ॥ ॐ भासिस्वाहा ॥ ॥

[illegible]

स्वगन्धना २ यलाना २ त्रीकण्ठना २ हासुव कृप २ संख
 पु २ वकनया वागिरुका लन कंदायकं, थयकननयायवी
 य ~~धाययुवा २ दिनरुनया~~, सिर्गनडाधनकं याग रुसा
 लुचिनामर्दणयायमात्र ॥ २० ॥ सिद्धिगुत्र ग्राह्या ॥ उं त्रीज
 बाधधानी हाहं ॥ क्षत्र १००० ॥ ~~आयु, वृका, यका, जायू,~~
 जितस्त्रान, चि, धूमिधूययाय, कलसद, मनरुगनय, कस्य

वक्षुयू ॥ २१ ॥ सिद्धि युत्र ग्राह्य ॥ उं श्री उ य ज या रू ग्रा म नु
ॐ श्री ग्रा वा वा ॥ ~~ध म नु न भा व ग्रा वा य~~ ॥ २२ ॥ उं श्री
युत्र ग्राह्य ॥ उं सिद्ध व व समान स्वाहा ॥ ~~सिद्ध व वा व स ग्रा २२~~ ॥
उं श्री युत्र ग्राह्य ॥ उं श्री यां न व ल हं का व ल रु ठ न न हं हं रु ठ
स्वाहा ॥ ~~व क न या व स~~ ॥ २३ ॥ श्री २ व ज या नि वी ग्राह्य
श्री २ का म नि द वी ग्राह्य ॥ उं श्री स्वाहा ॥ ~~सिद्ध व वा व स~~ ॥ २४ ॥
~~स त्रि दि चा द ग वि षा ह्य रौ वी ज म रू रं जा~~

~~॥ म नु न भा व ग्रा वा य~~ ॥ २५ ॥
सिद्धि युत्र ग्राह्य ॥ उं महान हं हं रु ठ ॥ ~~ध म नु न भा व ग्रा वा य~~ ॥ उं
महान हं हं रु ठ ॥ ~~ध म नु न भा व ग्रा वा य~~ ॥ २६ ॥ उं सि
द्धि युत्र ग्राह्य ॥ उं सिद्धि स ग्रा वा क रु ठ रु ठ रु ठ भा ह नी व य म
व य हं रु ठ ॥ ~~ध म नु न भा व ग्रा वा य~~ ॥ स म स रु द रु डी डी या
स म स रु यो क या स्वा न य या न ~~सी क रु क ना~~ ॥ २७ ॥
श्री युत्र ग्राह्य ॥ उं ग्रा हं क रु क रु क वा सा हं रु ठ ग कि नी ह वा

श्रवकेयकसिनिर्द्वन्द्वं त्वं प्रमात्रं यद्द्वन्द्वं स्त्रादा ॥
 निविद्यायाः प्रमात्रं यद्द्वन्द्वं स्त्रादा ॥
 धूतनक्षत्रं धूतनक्षत्रं यद्द्वन्द्वं स्त्रादा ॥
 उत्रिप्रिप्रिप्रिर्वं ॥
 स्त्रानपूर्य ॥
 श्रीर्द्वन्द्वं स्त्रादा ॥

[illegible]

आमर काथे

7/7

ASHA ARCHIVES

7

41

~~Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page.~~

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २० ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

॥ ० ॥ ~~॥ १ ॥~~ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
२१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥
३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥
४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥
५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥
६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥
८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible][illegible]

लीयुनुआहा ॥ ॐ नभारवे न ध जाग
कयुनो ॥ यन सेन्य विधं सन क नि
स सेन्य व निपानथक निः उ ल्का म
स्विखख त्वादि र य न सेन्य अन
म मखन ले ड न य रु न र डैर
कूट र स्वासो ॥ ध्वया विधि
धे ड य गाया दिषु ध्वनु ऊकु
मकु वाया ड धे ड य निरु
या रु डी सी य म्भु ड स ध्वनु ड
डवी य का डी व ड सी य म स
द्विखित व र य य न सेन्य वि धं
सेन्य ॥ थ डी सेन्य ने का य ड
डाख ॥ सी य म स र ड स ध्वया स म
भव ना म ड र सो ध ड डे ॥

महारगकूयामर पत्रवच १

ग्वाले १ ख म ग १ र ख तो
नाय क्क ना डी न के दि ०
ॐ नभारु न म धलनी य स्वाहा ॥
कातरु नि या कि साधल भा हनी
रुय ॥ धया हनी स्प न या त कि का
छाय पल स्प न म ष न डी ॥ ५५ ॥
स्प न न का डी य रु ध स य वा वा ॥
म म य न म य र य म म ॥

ॐ नभारु न म धलनी य स्वाहा ॥
कातरु नि या कि साधल भा हनी
रुय ॥ धया हनी स्प न या त कि का
छाय पल स्प न म ष न डी ॥ ५५ ॥
स्प न न का डी य रु ध स य वा वा ॥
म म य न म य र य म म ॥
ॐ नभारु न म धलनी य स्वाहा ॥
कातरु नि या कि साधल भा हनी
रुय ॥ धया हनी स्प न या त कि का
छाय पल स्प न म ष न डी ॥ ५५ ॥
स्प न न का डी य रु ध स य वा वा ॥
म म य न म य र य म म ॥
ॐ नभारु न म धलनी य स्वाहा ॥
कातरु नि या कि साधल भा हनी
रुय ॥ धया हनी स्प न या त कि का
छाय पल स्प न म ष न डी ॥ ५५ ॥
स्प न न का डी य रु ध स य वा वा ॥
म म य न म य र य म म ॥